Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 13 December 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-12 Issue - 28

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 17 दिसंबर को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कोरोना संक्रमितों की संख्या 99,56,557 हो गई है। अब तक 1,44,096 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटों में कुल 33,813 लोग ठीक हुए हैं।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
fnYyh&ejB ,Dlçl&os ij Vky lyktk dk fuek.k rt

पेज नंबर 7
Religious tourism has big potential to create jobs: Yogi

गाजियाबाद में एक जनवरी को लगाई जाएगी कोरोना वैक्सीन, तैयारी पूरी

दूसरी डोज लगेगी 29 जनवरी को, पहले चरण में 20456 स्वास्थ्य कर्मियों को लगाई जाएगी वैक्सीन

गाजियाबाद : जिले में कोविड–19 वैक्सीन पंद्रह दिन बाद यानी एक जनवरी को लगाई जाएगी। इसका माइक्रोप्लान जारी कर दिया गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि पहले चरण में 20,456 स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन लगाई जाएगी। मुरादनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत पांच सीएचसी और पांच निजी अस्पतालों के स्टाफ को भी पहले चरण में ही वैक्सीन लगाई जाएगी। वैक्सीन के दिसंबर माह के अंत में आने की संभावना है जिसको देखते हुए जिला प्रशासन ने वैक्सीन के टीकाकरण की प्रथम डोज एक जनवरी 2021 को लगाने की कार्य योजना तैयार कर ली है तथा वैक्सीन के टीकाकरण की दूसरी डोज 29 जनवरी 2021 को लगाने की कार्य योजना तैयार की गई है। वैक्सीन लगाने के लिए सुपरवाइजर, नोडल अधिकारी, वैक्सीनेटर, इंजेक्शन आदि का इंतजाम किए जाने का भी प्लान बना लिया गया है।

रेमडेसिवीर की आपूर्ति रूकी

कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज में प्रयोग हो रहे इंजेक्शन रेमडेसिवीर की आपूर्ति बंद होने से इलाज में परेशानी हो सकती है। अक्टूबर से लेकर नवंबर तक रेमडेसिवीर इंजेक्शन का लाखों रुपये बकाया है। कंपनी ने बिना भुगतान हुए इंजेक्शन की आपूर्ति करने से इंकार कर दिया है। इंजेक्शन का प्रयोग कोरोना मरीजों के फेफड़े में संक्रमण बढने के दौरान उस समय किया जाता है, जब सांस लेने में परेशानी होने लगती है। कंपनी ने 1290240 रुपये का भुगतान न होने से इंजेक्शन की आपूर्ति करने से इंकार कर दिया है।

वैक्सीन वैन की होगी व्यवस्था

कोविड वैक्सीन जिला वैक्सीन स्टोर से वैक्सीन बॉक्स में रखकर कोल्ड चेन प्वाइंट पर वैक्सीन वैन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। जहां वैक्सीन को मानक के अनुसार आइस लाइंड रेफ्रिजरेटर (आइएलआर) में सुरक्षित रखा जाएगा। इसके बाद कोल्ड चेन प्वाइंट से वैक्सीन को टीकाकरण स्थल को वितरित किया जाएगा। जहां लाभार्थियों का टीकाकरण किया जाएगा।

टीकाकरण के लिए 82 स्थल चिह्नित

पहले चरण में 20,456 स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया जाएगा। टीकाकरण के लिए 82 स्थल चिह्नित किए गए हैं। इसके लिए तैयारी पूरी हो गई है। वैक्सीन के रखरखाव को लेकर भी उचित इंतजाम किए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में एक जिला स्तरीय वैक्सीन स्टोर एवं 29 ब्लॉक स्तरीय कोल्ड चेन प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। जिनमें रेनोवेशन का कार्य पूरा हो गया है। शासन से वैक्सीन सीधे एमएमजी अस्पताल स्थित जिला वैक्सीन स्टोर में आएगी। जहां उसे 225 लीटर क्षमता वाले रैफ्रिजरेटरों में निर्धारित तापमान में सुरक्षित रखा जाएगा। इसके साथ ही सभी कोल्ड चेन प्वाइंट में आइस लाइंड रेफ्रिजरेटर दिए गए हैं।

TIRUPATI EYE

निगम ने बनवाए पांच अस्थाई शेल्टर होम

गाजियाबाद : ठंड बढने लगी है। ऐसे में बेसहारों की मदद के लिए नगर निगम ने पांच अस्थाई शेल्टर होम बनवाए हैं, जबकि 13 शेल्टर होम पहले से ही बने हैं। वसुंधरा जोन में कौशांबी के पास, मोहननगर जोन में साहिबाबाद रेलवे स्टेशन रोड पर, कविनगर जोन में हापुड़ रोड पर और सिटी जोन में कोतवाली के पास अस्थाई शेल्टर होम बनाए गए हैं। शेल्टर होम पर कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सैनिटाइजर, मास्क सहित अन्य सुविधाएं जरूरतमंदों को मुहैया करवाई जाएंगी। स्थाई शेल्टर होम में मनोरंजन के लिए टीवी की भी व्यवस्था की गई है। शेल्टर होम में रहने वालों को असुविधा न हो, इसकी देखरेख के लिए टीम बनाई गई है।

84 लोगों को जमा करना होगा एक शस्त्र लाइसेंस

गाजियाबाद : जिले में दो से अधिक शास्त्र लाइसेंस रखने वाले 84 लोगों को चिह्नित किया गया है। पुलिस दो से अधिक लाइसेंस को जमा कराएगी। आयुध अधिनियम 1959 और आयुध (संशोधन) अधिनियम 2019 में दी गयी व्यवस्था के तहत यह कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि उन्होंने जनपद में शस्त्र लाइसेंस की समीक्षा करने के निर्देश दिए थे। पूर्व से चलाए गए आपरेशन निहत्था के तहत ऐसे लाइसेंस धारक जिनके पास दो से अधिक शस्त्र हैं, उनको चिहिंत कर सूची तैयार की गई है। जनपद में 84 ऐसे शस्त्र लाइसेंस धारक मिले हैं, जिनके पास दो से अधिक लाइसेंस हैं।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative Society Vasundhra, Ghaziabad (UP)
Mobile +91 8130640011
Email : prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

गेट नंबर–एक का पुनर्निर्माण शुरू, गेट पर गमले रखकर बढ़ाई जाएगी हरियाली

साहिबाबाद सब्जी मंडी

साहिबाबाद : फल एवं सब्जी मंडी के गेट नंबर एक के सामने रैपिड रेल का काम चल रहा है। ऐसे में रास्ता को बंद है। मौका देख मंडी के गेट नंबर एक का पुनरू निर्माण शुरू कर दिया गया है। गेट पर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली पेंटिंग भी बनाई जाएगी। साथ ही गेट के पास आकर्षक फूल व हरियाली वाले पौधे लगाए जाएंगे। साहिबाबाद सब्जी मंडी का गेट नंबर दो पहले से ही बना हुआ था लेकिन एक नंबर गेट जर्जर हो गया था। लंबे समय से गेट का पुनर्निर्माण रुका था। अब रैपिड रेल का काम शुरू हुआ तो मंडी का एक नंबर गेट बंद हो गया। मंडी में आने जाने वाले लोग गेट नंबर दो से आ–जा रहे हैं। यह मौका देख गेट का निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया गया है। इस बार गेट को और ज्यादा आकर्षक बनाया जाएगा। गेट को एक माह में बना दिया जाएगा। हालांकि गेट से आने जाने का रास्ता तभी खुलेगा जब रैपिड रेल का गेट के सामने चल रहा काम पूरा होगा। साहिबाबाद सब्जी मंडी सचिव विश्वेंद्र कुमार ने बताया कि गेट बनाने के बाद उस पर पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश देने वाली पेंटिंग बनवाई जाएगी। इसके साथ ही गेट के पास खाली जगह पर गमले रखे जाएंगे। साथ में डस्टबिन भी रखा जाएगा।

Five arrested for proxy appearance in competitive exams for govt jobs

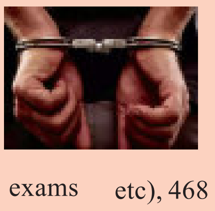

GHAZIABAD: Five youths, including a BTech dropout, were arrested for appearing in central and state government competitive exams on behalf of the actual candidates on Monday from near Chipiyana Gate under Kotwali police station's jurisdiction. Police said the "solver" gang was headed by Rajnarayan Pratap Singh (27), a resident of Firozabad and a second-year BTech dropout from an institute in Bhopal. His aides were identified as Rajdeep (30), Rahul (28), Surendra (25), all residents of Firozabad and Kuldeep (21), a resident of Farrukhabad. They have been booked under IPC Sections 420 (cheating), 406 (criminal breach of trust), 467 (forgery of valuable security, will, etc), 468 (forgery for purpose of cheating) and 471 (whoever fraudulently or dishonestly uses as genuine). Police said that the gang targeted over 100 people and earned several crores in this manner. While Singh is wanted in a similar case registered against him in Agra since 2019, his aides had gone to jail for similar crimes in the past. SP (City) Abhishek Verma said that further investigation is on to check the veracity of mark sheets and other certificates recovered from them.

एक हजार चोरी कर चुका मुखलाल साथी संग गिरफ्तार, पुरानी करेंसी भी मिली

गाजियाबाद : पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 साल से सक्रिय कुख्यात चोर मुखलाल को नगर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को उसके साथी संग गिरफ्तार किया है। आरोपितों से 22 लाख रुपये और करीब 24 लाख रुपये के गहने बरामद हुए हैं। 10 दिन पूर्व ही यह माल दिल्ली गेट में रहने वाली मनीषा सिंघल के घर से चोरी किया था। राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने भी इस मामले में एसएसपी कलानिधि नैथानी से संपर्क कर जल्द पर्दाफाश की बात कही थी। पुलिस का दावा है कि मुखलाल ने एक हजार से भी अधिक चोरियों को अंजाम दिया है। वह गांजा तस्करी भी बड़े पैमाने पर करता है। एसपी सिटी प्रथम अभिषेक वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित मुरादनगर निवासी मुखलाल और नूरनगर की झोपडियों में रहने वाले सलमान के रूप में हुई

है। इन्हें दारोगा विकास शर्मा व मनीष चौधरी की टीम ने गिरफ्तार किया है। मुखलाल अभी तक 17 बार गिरफ्तार हो चुका है। बीते साल कविनगर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई कर जेल भेजा था। लाकडाउन से ठीक पहले जेल से बाहर आए मुखलाल ने पांच दिसंबर की रात पीछे के रास्ते मनीषा सिंघल के घर में घुसकर 37 लाख रुपये और आधा किलो सोने व कुछ चांदी के गहने चोरी कर लिए थे। घटना के वक्त मनीषा बहन व मां के साथ जीजा के घर गोविंदपुरम गई थीं। चोर पुरानी करंसी के एक हजार व 500 के 5–5 नोट भी चोरी कर ले गए थे। इन्हें भी बरामद कर लिया है।

करोड़ों की संपत्ति इकट्ठी की

सीओ प्रथम अभय कुमार मिश्र ने बताया कि सूचना के आधार पर ही मुखलाल को गिरफ्तार किया गया है। चोरी के बाद उसने पूरा सामान मुरादनगर स्थित अपने घर में ही जमीन के तीन फीट नीचे दबा दिया था। यह उसका पुराना तरीका है। मुखलाल का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर माल बरामद कर लिया। आरोपित मुखलाल 15 साल से चोरियां कर रहा है और बंद मकानों को ही निशाना बनाता है।

गिरोह में कई युवतियां भी शामिल

नगर कोतवाल संदीप सिंह ने बताया कि मुखलाल के गिरोह में कई युवतियां भी हैं। पूर्व में थाना कविनगर पुलिस ने उसे महिला साथियों संग भी गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपित के खिलाफ करीब 100 मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाल का कहना है कि अपराध से कमाई संपत्ति के दस्तावेज भी मिले हैं। आरोपित के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई कर यह संपत्ति जब्त कराई जाएगी।

डग्गामार बसें सीज

गाजियाबाद : डग्गामार बसों के खिलाफ मंगलवार को परिवहन व रोडवेज विभाग की संयुक्त टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नौ बसों को सीज व दो बसों का चालान कर 1.25 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। चेकिंग अभियान का नेतृत्व गाजियाबाद के वरिष्ठ एआरटीओ प्रवर्तन राकेंद्र कुमार सिंह ने किया। मेरठ तिराहे, राजनगर एक्सटेंशन, साहिबाबाद, हापुड़ चुंगी व दिल्ली–मुरादाबाद व दिल्ली मेरठ मार्ग पर कई जगह चेकिंग की गई और अवैध रूप से दौड़ती बसों के खिलाफ उपरोक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान एआरएम साहिबाबाद बीपी अग्रवाल भी मौजूद रहे। वरिष्ठ एआरटीओ प्रवर्तन राकेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अवैध रूप से दौड़ती बसों के खिलाफ चेकिंग अभियान ऐसे ही जारी रहेगा।

छात्राओं को किया पुरस्कृत

गाजियाबाद : श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय में चारों सदनों के सदस्यों का पद ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की हेड गर्ल मेघा सिंह ने नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलवाई। सभी सदनों के कैप्टन और वाइस कैप्टन को विद्यालय प्रबंधक अजय गोयल व प्रधानाचार्य पूनम शर्मा ने बधाई दी। साथ ही उन्हें उनके कर्तव्य के बारे में समझाया। इसके अलावा विद्यालय में अर्द्धवार्षिक परीक्षा में सेक्शन वाइज प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली 80 छात्राओं को एक–एक हजार रुपये की धनराशि दी गई। पूनम शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस साल भी विद्यालय का अच्छा परीक्षा परिणाम रहा है। जो छात्राओं और शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है। उम्मीद की जाती है कि आगे भी सफलता का सिलसिला जारी रहेगा।

दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे पर टोल प्लाजा का निर्माण तेज

रसूलपुर के पास होगा इंटरचेंज

दिल्ली से मेरठ की ओर जाने वाले वाहनों को पहले डासना से ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर भेजने की योजना है। ईपीई पर करीब चाल किलोमीटर तक चलने के बाद वाहनों को रसूलपुर के पास बनाए गए लूप के जरिए फिर से दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे पर लाया जाएगा।

गाजियाबाद : दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे पर टोल प्लाजा का निर्माण तेज कर दिया गया है। पांच दिन के भीतर कंट्रोल रूम का निर्माण लगभग पूरा कर दिया गया है। अब टोल प्लाजा की लेन बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। दिल्ली से मेरठ आने–जाने वाले वाहनों से डासना से पहले बनाए जा रहे टोल प्लाजा से ही टोल वसूला जाएगा। इस एक्सप्रेस–वे को 31 दिसंबर को चालू करने की तैयारी चल रही है। वाहनों को कुछ दूर तक ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर ले जाकर फिर दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे पर दौड़ाने की योजना है। एक्सप्रेस वे चालू होते ही टोल वसूली भी शुरू हो जाएगी। एनएचएआइ द्वारा मुख्यालय को भेजे गए टोल वसूली के प्रस्ताव को मंजूरी के बाद जल्द ही जारी किया जा सकता है। यह प्रस्ताव नवंबर में बनाकर भेजा गया था। 1.65 रुपये प्रति किलोमीटर की दर को बेस रेट रखते हुए टोल वसूली का प्रस्ताव भेजा है। अंतिम टोल दरों की सूची जारी होने से पहले ठेका दिए जाने की भी तैयारी चल रही है। पता चला है कि एक्सप्रेस–वे को चालू होने पर लाल कुआं आरओबी, डासना में बन रहे 700 मीटर लंबे एलीवेटिड रोड और ईस्टर्न पेरीफिरल एक्सप्रेस वे इंटरचेंज का शुल्क नई दरों में फिलहाल नहीं जुड़ेगा। निर्माण पूरा होने पर शुल्क को जोड़ा जाएगा। चिपियाना आरओबी को छोड़ शेष निर्माण कार्य दो महीने में पूरे हो जाएंगे। इसके बाद अप्रैल में टोल दरों में फिर से संशोधन किया जाएगा है। टोल प्लाजा पर छह लेन का निर्माण कराया जा रहा है। कनौती डाल दी गई है। वाहन की नंबर प्लेट और फास्टैग के आधार पर टोल शुल्क खाते से कटेगा। अत्याधुनिक कैमरे टोल बूथ पर लगाए जाएंगे। एनएचएआइ के परियोजना निदेशक मुदित गर्ग ने बताया कि दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे को 31 दिसंबर तक वाहनों के लिए खोलने की योजना है। डासना एलिवेटिड रोड का निर्माण पूरा न होने की वजह से वाहनों का रूट यहां से डायवर्ट किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण स्तर पर इस पर मंथन किया जा रहा है। टोल प्लाजा का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है। अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है।

बिजली विभाग के हेड कैशियर ने किया तीन करोड़ का गबन

गाजियाबाद : कोरोना संकटकाल में एक ओर जहां लोग कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जूझ रहे थे। वहीं, बिजली विभाग के एक हेड कैशियर ने विभाग को तीन करोड़ रुपये की चपत लगा दी। संदेह होने पर अधिशासी अभियंता की ओर से मामले की जांच की गई तो विभाग अधिकारियों में हड़कंप मच गया। इस मामले में मंगलवार को आरोपी हेड कैशियर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। विद्युत वितरण निगम सप्तम पटेलनगर गाजियाबाद में हेड कैशियर के पद पर तैनात सुमित गुप्ता शिशिर गुप्ता, 101 चौक खत्रियान शाखा की मेरठ पर 295,44,551 रुपये के गबन का मामला दर्ज कराया गया है। आरोप है कि कोरोना संकटकाल के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा जमा कराई गई हर माह बिजली बिल की राशि को पूरी जमा होना दिखाकर कागजों में गड़बड़ी

कर दी गई। इस मामले में संदेह होने पर विद्युत वितरण निगम सप्तम पटेलनगर के अधिशासी अभियंता एसपी सिंह की ओर से अकाउंट विभाग के अन्य कैशियर से जांच कराई, जिसमें करीब तीन करोड़ रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आया। यह देखकर अधिकारियों के भी होश उड़ गए। मामले में आरोपी हेड कैशियर सुमित गुप्ता से मोबाइल पर बात की गई तो उसने पहले तो आनाकानी की, लेकिन बाद में उसने पैसा जमा कराने की बात कहकर बचने का प्रयास किया। अधिकारियों की माने तो मामले में आरोपी की ओर सोमवार को कुछ पैसा जमा कराने को कहा गया, लेकिन पैसा जमा न होने पर विद्युत अधिशासी अभियंता एसपी सिंह की ओर से सिहानी थाने में आरोपी हेड कैशियर सुमित गुप्ता के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज कराया गया है। बिजली विभाग के गबन के आरोपी हेड कैशियर सुमित गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। मुख्य अभियंता आरके राणा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं, अन्य की भी मामले में जांच की जा रही है। लेखा विभाग से बिलिंग का रुपया जमा होने के लिए आता है, जिसे हेड कैशियर की ओर से बैंक में जमा कराया जाता है, जो नहीं कराया गया। जुलाई से सितंबर तक के बैंक में जमा कराए गए कैश में मिले अंतर के बाद विद्युत लेखा विभाग से पूरे मामले की करीब चार दिन तक चली जांच के बाद करीब तीन करोड़ रुपये की हेराफेरी मिली।

ग्राम प्रधानों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित किया गया कार्यक्रम

गाजियाबाद : इंद्रगढ़ी स्थित क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान में ग्राम प्रधानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय के नेतृत्व में मंगलवार को रजापुर व भोजपुर ब्लाक के ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को मुरादनगर व लोनी ब्लाक के ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जनता की मंशा को जानकर क्षेत्र में विकास कार्य कराने का है। इसी के मद्देनजर सभी प्रशिक्षकों ने ग्राम प्रधानों से जनता की मंशा को जानने का प्रयास किया। ग्राम प्रधानों से उनके अब तक अनुभव के बारे मे बात कर पूछा गया कि प्रभावी ग्राम पंचायत विकास योजना कैसे बनाई जा सकती है। प्रशिक्षकों ने ग्राम प्रधानों के साथ दूसरे राज्यों के भ्रमण के अनुभव साझा करते हुए वहां चलाई जा रही योजनाओं के बारे जानकारी दी। जागरूकता के साथ सहभागिता बढ़ाकर ग्राम पंचायतों को विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के टिप्स दिए गए। प्रशिक्षकों ने कहा कि विकास योजना मे जोखिम प्रबंधन का भी ध्यान रखना चाहिए। प्रशिक्षण संस्थान के उप–निदेशक डॉक्टर सौरभ राजपूत, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार त्यागी, गोपाल राय, जगवीर सिंह, हरि कृष्ण गुप्ता और मुनिबुर रहमान द्वारा ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिया गया।

ट्रक चालकों से पार्किंग शुल्क के नाम पर वसूली, दो दबोचे

गाजियाबाद : कविनगर औद्योगिक क्षेत्र और लोहामंडी में नगर निगम की पार्किंग के नाम पर ट्रक चालकों से वसूली करने वाले दो ठगों को नगर निगम की टीम ने मंगलवार को दबोच लिया। दोनों के पास से नगर निगम गाजियाबाद के नाम से छपवाई गई कई पर्चियां मिली हैं। दोनों को थाना कविनगर पुलिस के हवाले कर नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी (सीटीओ) डॉ. संजीव सिन्हा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसएचओ कविनगर अजय कुमार ने बताया कि आरोपितों की पहचान विजयनगर निवासी सुमित और रोशन के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। सीटीओ ने बताया कि

इस फर्जीवाड़े के बारे में करीब महीने भर पहले पता चला था, जब जाम ट्रकों के चलते औद्योगिक क्षेत्र में जाम लगने की सूचना मिली थी। ट्रकों को हटवाने के दौरान उन्होंने पर्ची दिखाई तो फर्जीवाड़े का पता चला। किसी के पास 60 रुपये तो किसी के पास 100 रुपये की पर्ची मिली। माल उतारने के बाद सड़क किनारे खड़े ट्रकों के चालकों को पार्किंग की पर्ची देकर वसूली करते थे। नहीं देने वालों को ट्रक सीज कराने की धमकी देते थे। सीटीओ ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र व लोहामंडी में नगर निगम ने पार्किंग का कोई ठेका नहीं दिया है। नगर निगम के नाम पर वसूली करने वालों का पता चला तो तुरंत टीम गठित कर इन्हें पकडने की योजना बनाई गई। सूत्रों की माने तो इस फर्जीवाड़े में निगम कर्मियों की भी मिलीभगत की आशंका है, क्योंकि एक महीने से प्रवर्तन दल की टीम लगी थीं, लेकिन हर बार आरोपित टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाते थे। सीटीओ का कहना है कि मंगलवार को लोहामंडी से सूचना मिली थी। पूरी गोपनीयता के साथ टीम को भेजकर आरोपितों को दबोच लिया। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपित बीते एक साल से फर्जीवाड़ा कर रहे थे।

गाजियाबाद कचहरी : चैंबर 1200, अधिवक्ता 4 हजार, कैसे चलेगा काम

गाजियाबाद : कचहरी में अधिवक्ताओं की संख्या के हिसाब से चैंबर काफी कम हैं। इसके चलते अधिवक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्हें परेशानी से निजात दिलाने के लिए सीबीआइ अदालत परिसर के पास बने नवनिर्मित चैंबरों को जल्द आवंटित कराया जाएगा। यह जानकारी गाजियाबाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुनीष त्यागी ने दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गाजियाबाद कचहरी में करीब तीन हजार अधिवक्ता वकालत करते हैं लेकिन चैंबर मात्र 1200 हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं को काफी दिक्कत होती है। सीबीआइ अदालत परिसर के पास 24 चैंबर नए बनाए गए हैं। प्रशासन द्वारा इन चैंबरों का निर्माण कराया गया है। चैंबरों के आवंटन के लिए तीन सदस्यीय एक कमेटी बनी है। इसमें एक एडीएम, एक अपर जिला जज व बार अध्यक्ष शामिल हैं। बार अध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही इस संबंध में बैठक कर चैंबर के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। प्रत्येक चैंबर चार अधिवक्ताओं को आवंटित किया जाएगा। इससे 96 अधिवक्ताओं के बैठने की व्यवस्था हो जाएगी। बार अध्यक्ष ने बताया कि अधिवक्ताओं की सहूलियत के लिए चैंबरों के निर्माण के लिए जिलाधिकारी के साथ जल्द बैठक की जाएगी।

हरनंदी नदी की देखरेख में जुटा सरकारी अमला

गाजियाबाद : हरनंदी नदी में बाढ़ की स्थिति से बचाव के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासनिक अमला तैयारियों में जुट गया है। मंगलवार को विभिन्न विभागों के अफसरों के साथ बैठक कर जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरनंदी नदी का इतिहास रहा है कि 50 साल बाद बाढ़ आती है। वर्ष 1978 में अंतिम बार बाढ़ आई थी। उससे पहले वर्ष 1930 में बाढ़ आई थी। हरनंदी नदी में अगर बाढ़ की स्थिति बनती है तो डूब क्षेत्र में बसी आबादी के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसे देखते हुए सभी संबंधित विभागों को बाढ़ से निपटने हेतु संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

लोनी में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर पर हो कार्रवाई

गाजियाबाद : जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलदार के नेतृत्व में जिला प्रोबेशन अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने लोनी क्षेत्र में संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध रूप से संचालित किए जा रहे तीन अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील किया। वहीं एक अल्ट्रासाउंड सेंटर के कागजात जांच के लिए लिए गए। अधिकारियों ने आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। तहसीलदार प्रकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने क्षेत्र में संचालित होने वाले अल्ट्रासाउंड सेंटर का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिसपर मुख्य चिकित्साधिकारी, तहसीलदार और जिला प्रोबेशन अधिकारी की संयुक्त टीम

ने क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर संचालित हाइटेक डायग्नोस्टिक सेंटर लक्ष्मी गार्डन, यशोदा पैथोलाजी लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर लोनी, त्यागी डायग्नोस्टिक सेंटर रेलवे रोड लोनी और एम आर डायग्नोस्टिक सेंटर का औचक निरीक्षण किया। टीम ने निरीक्षण के दौरान हाइटेक डायग्नोस्टिक सेंटर लक्ष्मी गार्डन और यशोदा पैथोलाजी लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर लोनी के संचालक द्वारा आवश्यक कागजात न दिखाए जाने पर सेंटर को सील कर दिया। वहीं त्यागी डायग्नोस्टिक सेंटर पर पीएनडीटी के नियमों का उल्लंघन किए जाने पर सेंटर को सील किया गया। इसके बाद टीम ने दिल्ली सहारनपुर मार्ग स्थित डायग्नोस्टिक सेंटर पर पंजीकृत मशीन खराब मिली। जिसपर सेंटर संचालक ने नई मशीन की चलाने की अनुमित के अभिलेख प्रस्तुत किए।

नवोदय में प्रवेश के लिए 31 तक दाखिले का मौका

गाजियाबाद : जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ा दी गई है। अब 31 दिसंबर तक दाखिले के लिए आवेदन किया जा सकेगा। प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही विद्यालय में बच्चों को कक्षा छह में दाखिला मिलेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी बृज भूषण चौधरी ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय में आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित की गई थी। कई अभिभावकों को जानकारी नहीं होने की वजह से आवेदन नहीं कर सके थे। अब 31 दिसंबर तक आवेदन तिथि बढने से उन अभिभावकों को काफी राहत मिलेगी। दस अप्रैल को शनिवार के दिन 11:30 पर परीक्षा का आयोजन होगा। आवेदन व परीक्षा की तिथि में बदलाव होना भी संभव है इसके लिए जानकारी लेते रहना बेहतर होगा।

गंभीर बीमारी के चलते हुई 68 संक्रमितों की मौत, 40 थे मधुमेह से पीडित

गाजियाबाद : जिले में मरने वाले 98 कोरोना संक्रमितों के सापेक्ष 68 की मौत पहले से ही ग्रसित गंभीर बीमारियों के चलते हुई है। शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराए गए मेडिकल आडिट में इसका पता चला है। मार्च से लेकर 14 दिसंबर तक हुई कोरोना संक्रमितों की मौत के कई अन्य कारणों की बारीकी से जांच की गई। इसमें पाया गया कि मधुमेह, सांस, अस्थमा, बीपी, किडनी फेल, हृदयरोग, थायराइड जैसी बीमारियों से पहले से ही ग्रसित अधिक लोगों की मौत हुई है। साथ ही उम्र एवं वजन भी अधिक पाया गया। मरने वालों में 35 लोग 60 से अधिक आयु वर्ग के थे। कोरोना की जांच रिपोर्ट पाजिटिव आते ही हर व्यक्ति का तनाव बढ़ जाता है लेकिन सावधानी,सतर्कता और सही उपचार के चलते कोरोना को हराया जा सकता

है। कोविड एल–3 अस्पताल प्रभारी डा. मिथलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना की जांच से बचने वाले गंभीर रोगियों को सांस लेने में परेशानी होने पर अस्पतालों में भर्ती कराया जाना भारी पड़ा है। जांच में पाया गया कि हालत खराब होने पर भी कोरोना संक्रमण के डर से बीमार व्यक्ति अस्पताल जाने से बचते रहे। गंभीर स्थिति होने पर अस्पताल पहुंचने पर जांच कराने पर रिपोर्ट पाजिटिव आई और वेंटिलेटर पर ले जाने से भी मरीज को बचाया नहीं जा सका। जांच में पाया गया कि पहले से किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे अधिकांश बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों को ही संक्रमित होने के बाद बचाया नहीं जा सका। कुछ युवा भी पहले से बीमार थे। 7 गर्भवती महिलाओं की भी पहले से बीमार होने के चलते संक्रमित होने के बाद मौत हो गई।

घर पहुंचे रैना के भाई

गाजियाबाद : क्रिकेटर सुरेश रैना के बड़े भाई दिनेश रैना निमोनिया की चपेट में आ गए थे, जो अहतियातन निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुए थे। करीब तीन–चार दिन उपचार के बाद अस्पताल से उन्हें छुट्टी दे दी गई। चिकित्सकों के मुताबिक सभी रिपोर्ट नार्मल आने के बाद घर भेज दिया गया।

अवैध निर्माण कराने पर रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद : आवास विकास परिषद की ओर से वसुंधरा सेक्टर–पांच में अवैध निर्माण कराने वाले आवंटी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आवास विकास परिषद के अवर अभियंता डीपी सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि वसुंधरा सेक्टर–पांच स्थित भूखंड संख्या – 901 के आवंटी रजनीश त्यागी ने निर्माण प्रारंभ करने की सूचना अधिशासी अभियंता को नहीं दी। उनके द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। ध्वस्तीकरण का आदेश भी जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद आवंटी बलपूर्वक निर्माण कर रहे हैं। अब कई बिल्डरों पर एफआइआर की तैयारी की जा रही है। इंदिरापुरम थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव शर्मा ने बताया कि मामले में आवंटी रजनीश त्यागी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डरों पर की जा रही एफआइआर की तैयारी

आवास विकास परिषद ने वसुंधरा के करीब 30 प्लाटों की सूची तैयार की है। इन सभी प्लाटों पर अवैध निर्माण जारी है। इनके खिलाफ थाना इंदिरापुरम में शिकायत दी गई है। जल्द ही इन सभी बिल्डरों पर एफआइआर दर्ज की जाएगी। इनमें वसुंधरा सेक्टर एक, दो, तीन, पांच, 12 और 14 सेक्टरों में हुए अवैध निर्माण शामिल हैं।

EDITORIAL

Green over brown: On India's climate goals

India asserted at the virtual Climate Ambition Summit, co-convened by the UN to mark five years of the Paris Agreement, that it is well on its way to not just fulfilling its national pledge on emissions reduction, but exceeding the commitment. The performance, outlined by Prime Minister Narendra Modi, rests primarily on the estimated present reduction of emissions intensity by 21% over 2005 levels (the goal is between 33% and 35% of GDP by 2030), and the twin pillars of renewable energy and higher forest cover. Indeed, the Emissions Gap Report 2020 of the UNEP includes India among nine G20 members who are on track to achieve their unconditional commitments under the Paris pact, based on pre-COVID-19 projections. Significantly, the G20 bloc as a whole, responsible for 78% of greenhouse gas emissions (GHG), was not expected to meet its pledges, but some countries and the EU as a group announced higher ambition at the summit. The brief reduction in global GHG emissions brought about by the pandemic has given all countries an opportunity to review their development trajectories. The unprecedented event has enabled them to deploy an extraordinary fiscal stimulus for rehabilitation of economies — estimated at $12 trillion globally — making green growth a possibility. India faces a particular challenge, in moving its pandemic rehabilitation spending away from traditional brown sector policies aligned with fossil fuel use to green territory.

At the recent summit, Mr. Modi took credit for expansion of forests, which, according to the national pledge under the Paris Agreement, will serve as a carbon sink of 2.5 bn to 3 bn tonnes of carbon dioxide equivalent by 2030. This is a key goal, given that it has multiple benefits, protecting biodiversity, influencing the climate system and providing resources for communities. But it is fraught with uncertainty. The Centre has questioned the veracity of State afforestation data and said only a fourth of the claims they made were deemed credible. Clearly, without a cohesive policy on verifiable afforestation, the carbon sink approach may yield poor dividends, with questions hanging over the spending. Achieving 100 gigawatts of solar power capacity within the overall renewables goal, from 36 GW now, needs a steep scale-up that must actively promote rooftop solar installations. There is little evidence that this is a high priority for most States. Transport-related emissions, which are a major component of the whole, have risen sharply in the unlock phase of the pandemic as people prefer personal vehicles, but the issue received little support from States which failed to reorder cities for cycling and pedestrianisation. Large-scale agriculture insurance against climate disasters also needs attention. In the year that remains before countries meet at the UN Climate Change conference in Glasgow in 2021, India needs to focus on future emissions and plan green investments that qualify for global climate funding.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Man held in Ghaziabad for throwing acid at woman

GZB: A 26-year-old man who allegedly threw acid at a woman in Muradnagar on Saturday was later arrested. The accused, Sirajudin (26), from Meerut, is the woman's brother-in-law. Police said he was in a relationship with the 23-year-old. "The man wanted to marry her but her parents had fixed her marriage with someone else and recently, the victim had started avoiding the youth. This made Sirajudin angry," Iraj Raja, SP (rural) said. The woman is stable and is recuperating in a Delhi hospital.

बिजलीघर पर समर्थकों के साथ जमे रहे विधायक

मसूरी : विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर धौलाना विधायक असलम चौधरी दूसरे दिन भी बिजलीघर पर समर्थकों के साथ जमे रहे। उन्होंने कहा सरकार उद्योगपतियों व पूंजीपतियों को बिजली बिलों में छूट दे रही है, जबकि आम उपभोक्ता महंगी बिजली बिलों की अदायगी के नाम पर छला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार बिजली बिल के ब्याज की छूट नहीं देती। तब तक कोई भी उपभोक्ता अपना बिल जमा न करें। इस दौरान आसपास के गांवों के उपभोक्ता मौजूद रहे।

Key underpass to ease Noida-GZB commute will miss 2020 deadline

NOIDA: The much-awaited underpass at Sector 51-52 and 71-72 intersection, which was planned to ease traffic from Wave City Centre metro station towards Noida Extension, will miss its December 2020 deadline. With over 80% of the work completed, it is now expected to be ready by January-end or early February next year. Covid lockdown and the recent National Green Tribunal (NGT) regulations on construction activities, including slow digging to avoid dust pollution, have been cited as reasons behind the slow pace of work. Mukesh Vaish, senior manager of Noida Authority, said that no work was carried out during the lockdown. "Later, NGT regulated the Graded Response Action Plan (GRAP)

and put further restrictions on construction activity to prevent dust and air pollution. Even now, we are working at a slow pace to prevent dust pollution. We also take breaks to regularly water the area as per the guidelines," he said. The 780-metre-long six lane underpass, which is being built by the Noida Authority at Rs 52.58 crore through its contractor M/s ITD Cementation India Ltd, was commissioned on June 14 last year. "We have used push box technique to build this underpass. The intersection will benefit the commuters immensely once it's ready and opened for public," said Rajeev Tyagi, the general manager of Noida Authority. The sector 51-52 and 71-72 intersection was a major traffic congestion point as it witnessed heavy traffic flow from Sector 62 and beyond on one side leading all the way up to the entry point of Ghaziabad, and from Wave city centre metro station to Greater Noida west on the other side. Once ready, the underpass will also benefit the new of Sectors from 74 to 79. It comprises mostly of apartment complexes and group housing societies.

ACS checks Covid vaccine preparedness

NOIDA: Additional chief secretary health Amit Mohan Prasad in an online meeting with district health administration department on Monday took stock of Covid vaccine inoculation preparedness. He said a final decision on the type of vaccine, dosage etc, will be intimated in due time. Till then, at the district level preparation at both booth level and storage facility should be kept ready, directed Prasad during the online meeting. "All preparedness, including site identification, should be kept ready. Senior citizens, pregnant women and children should avoid public places and maintain strict adherence to Covid protocols of mask, social distancing and sanitisation till the vaccine is available," said ACS Prasad in the meeting.

From Jewar to Palwal, protesters stop collection of toll on highways

NOIDA/GHAZIABAD: Farmers overpowered staff at all major toll plazas on the Eastern Peripheral Expressway and NH-34 on Saturday, allowing vehicles to pass without paying fees, as they sought to intensify protests against the three new farm laws. However, they were stopped by the Noida police at Yamuna Expressway's Jewar toll and briefly at the Palwal plaza by Haryana Police. Those protesting at UP Gate also stopped NHAI from charging toll at the toll plazas on Delhi-Meerut Expressway, NH-9 and EPE. At least eight toll plazas of EPE, including Beel Akbarpur, Dasna, Sirsa, Maujpur, Kundli, Baghpat, Duhai and Palwal, and the Luharli toll of NH-34 were made toll free by the protesters, helping thousands of commuters evade toll from as early as 9am till 4pm. A group, led by BKU-Tikait, had reached the Beel

Akbarpur and Sirsa toll plazas of EPE around 9 am, and the same team was later joined by the outfit's youth wing president Gaurav Tikait, who headed towards the Palwal toll plaza. After being stopped by the Haryana cops before the Palwal plaza, the second group had a standoff with the police. They were, however, later allowed to go ahead with the protest. Sunil Pradhan, GB Nagar spokesperson for the outfit, said the Haryana cops were possibly alerted due to the inputs shared by the Noida police, resulting in a verbal clash with the farmers who occupied one carriageway.

Camels used at marriages in Greater Noida, activists seek action

GREATER NOIDA: Camels decked up with accessories being used for rituals at marriages in Greater Noida, have become the latest talk of the town with animal activists calling for a ban on the practice. Days after two camels were caught while being transported to a wedding function in Dankaur area, a video of camels allegedly being used at another wedding function in Dadri area on Thursday has gone viral resulting in the activists calling for an action against those hiring the animals. In the video, the camels -all decked up with accessories- can be seen seated outside the wedding venue in Dadri. The incident pertains to Thursday night when the camels were brought to the wedding being organised at a marriage

home in Dadri. Some onlookers who saw the camels seated outside the venue captured the incident on tape after the groom's side completed the "chadhat ritual." Activists of the local unit of the People for Animals (PFA) have complained against the organisers stating that it was the second such case where camels were used for entertainment at weddings in less than one week. PFA activist Pragati Khanna told TBC that they saw the tweet and flagged it to the police on twitter. "We got to know about the video and asked the police to take action in the case. They have promised action but there is no headway so far," she said. Dadri SHO Rajvir Singh Chauhan told TBC that they are aware of the incident and it was found that the camels were used for the chadat ritual (when the groom sits on a horse traditionally but the locals were using camels instead) at the groom's side. "Information was received and it was not that the camels were being used for entertainment. Some nomadic tribes tend to bring the camels from Rajasthan to UP and the locals hire them for some money. We are looking into the incident," he said.

मुख्य विकास अधिकारी ने दिए निर्देश वायु प्रदूषण फैलाने वालों पर हो कार्यवाही

गाजियाबाद : कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में सोमवार को जिला पर्यावरण समिति की बैठक की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर बैठक की अध्यक्षता कर रहीं मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल ने जनपद में संचालित निर्माण कार्यों में वायु प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से एनजीटी के नियमों का पालन कराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए। पर्यावरण के मानकों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि पर्यावरण अनुकूल बना रहे।

इसके साथ ही जनपदवासियों से वाहन का इस्तेमाल कम करने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी हॉट मिक्स प्लांट का संचालन पर्यावरणीय अधिनियमों तथा आवश्यक जल छिड़काव करते हुए कराना सुनिश्चित कराएं।

क्रेडिट कार्ड से तुर्की में हुई खरीदारी, बैंक से कॉल आने पर पता चला

गाजियाबाद : जालसाजों ने गाजियाबाद में जारी हुए क्रेडिट कार्ड से इस्तांबुल (तुर्की) में खरीदारी कर ली। विदेश में ट्रांजेक्शन होने पर बैंक की ओर से काल आने पर पीड़ित को ठगी का पता चला तो कार्ड को ब्लाक करा थाना सिहानी गेट में रिपोर्ट दर्ज कराई। नेहरूनगर थर्ड में रहने वाले अशोक कुमार ट्रैवल एजेंसी चलाते हैं। सोमवार को वह दिल्ली से लौट रहे थे। इसी समय उन्हें आरबीएल बैंक से काल आई। कालर ने पूछा कि क्या उन्होंने कोई ट्रांजेक्शन की है, जिस पर उन्होंने इन्कार कर दिया। बैंक की ओर से बताया कि उनके कार्ड से इस्तांबुल में करीब 7200 तुर्किश लीरा (तुर्की की मुद्रा) की ट्रांजेक्शन की गई है।

ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे का 297 करोड़ टोल वसूली का छोड़ा गया ठेका

गाजियाबाद : ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर अगले एक साल में 297 करोड़ का टोल टैक्स वसूला जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने इसका नया ठेका फाइनल कर दिया है। टोल टैक्स वसूली के लिए नई कंपनी ने टोल प्लाजा पर काम शुरू भी कर दिया है। दिसंबर 2019 से दिसंबर 2020 तक ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर टोल वसूली का ठेका मैसर्स प्रकाश एसफाल्टिंग्स कंपनी के पास था। एनएचएआइ ने इस कंपनी को एक साल के लिए 215 करोड़ का टोल टैक्स वसूलने टेंडर दिया था। एनएचएआइ को 215 करोड़ का टोल टैक्स वसूलकर उक्त कंपनी ने भुगतान कर दिया है। इस साल के लिए एनएचएआइ ने मैसर्स ईगल इंफ्रा इंडिया (ईगल नेस्ट) को टोल वसूली का ठेका दिया है। उक्त कंपनी को 297 करोड़ 82 लाख टोल टैक्स वसूली का ठेका दिया गया है। कोंडली से पलवल तक बनाए गए ईस्टर्न–पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे की लंबाई 135 किलोमीटर है। इस पर रोज कई हजार वाहनों का आवागमन रहता है। पलवल, फरीदाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बागपत और सोनीपत में टोल प्लाजा बनाए गए है। गाजियाबाद में दुहाई और डासना में टोल प्लाजा है। मुख्य टोल प्लाजा मवई कला, डासना, दुहाई, बील–अकबरपुर,फतेहपुर रामपुर और मौजपुर में है। हाल ही में एक्सप्रेस–वे के किनारे लाइटिंग और फव्वारे चालू किए गए हैं।

पूर्व विधायक के भाई के खाते से बैंक ने बिना अनुमति ट्रांसफर कर दिए 16 लाख रूपये

गाजियाबाद : गढ़ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रहे राम नरेश रावत के भाई राजनगर निवासी पुष्पेंद्र रावत के हुंडई की गाडियों के शोरूम हैं। शालीमार गार्डन में उनकी फर्म मांगेराम एंटरप्राइजेज का कार्यालय है। फर्म का आंबेडकर रोड स्थित एक बैंक की शाखा में सीसी (कैश क्रेडिट) खाता है। पुष्पेंद्र के मुताबिक सोमवार को उनके बिना आवेदन किए खाते से 8,56,300 रुपये एक व्यक्ति के और 7,35,600 रुपये दूसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिए। जानकारी होने पर उन्होंने शाखा प्रबंधक से बात की तो कहा कि ई–मेल आने पर भुगतान किया गया, जबकि पुष्पेंद्र का कहना है कि उन्होंने भुगतान के लिए बैंक को कोई ई–मेल नहीं भेजी है और भुगतान पाने वालों को वह जानते भी नहीं हैं।

नए मास्टर प्लान में विकास का नक्शा तैयार होगा, हाईटेक और इंटीग्रेटिड सिटी पर होगी नजर

गाजियाबाद : अगले दस साल में शहर की तस्वीर बदल जाएगी। नए मास्टर प्लान में विकास का नक्शा तैयार होगा। प्लान बनाते समय एनएच–9 और मेरठ रोड़ के किनारे आर जोन विकसित करने पर मंथन शुरू हो गया है। मंगलवार को जीडीए सभागार में मास्टर प्लान का प्रजंटेशन किया गया। इस दौरान जीडीए वीसी कंचन वर्मा,सीएटीपी आशीष शिवपुरी,मुख्य अभियंता वी एन सिंह और एनसीआर सैल के सीएटीपी एस सी गौड़ की उपस्थित में प्रजंटेशन दिया गया। इस दौरान चयनित कंसलटेंट डीडीएफ की ओर से आर चटर्जी, सुनील पोपली, कुलदीप सिंह व साक्षी ने शहर के पुराने,वर्तमान और भविष्य की तस्वीर के बारे में विस्तार से रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। लोनी, मुरादनगर और मोदीनगर

की निरीक्षण रिपोर्ट पहले ही शासन को भेजी जा चुकी है। एनएच–9 से सटे 18 गांवों की नौ हजार एकड़ जमीन पर हाईटेक सिटी प्रस्तावित है। सात इंटीग्रेटिड सिटी पहले से ही विकसित की जा रही हैं। जीडीए ने महायोजना –2031 बनाने के लिए जहां फर्म को चयनित कर लिया है वहीं पर सर्वे शुरू कर दिया गया है। जीडीए का फोकस है कि शहर में जिन क्षेत्रों में आबादी तेजी से बढ़ रही है उन क्षेत्रों की कृषि योग्य जमीनों का डाटा वरीयता के आधार पर बनाया जाये। साथ ही आरआरटीएस, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस से सटे गांवों की जमीनों को भी प्लान में शामिल करने की कवायद तेज हो गई है। जीडीए वीसी के निर्देश पर मुरादनगर, मोदीनगर और लोनी की खाली पड़ी खेती की जमीनों पर भी आवासीय योजनाएं प्लान किए जाने के लिए सर्वे किया गया है। शासन स्तर से प्लान बनाने के लिए मैसर्स डीडीएफ कंसलटेंट फर्म को चयनित किया गया है।

88 से बढ़कर 184 हुई गांवों की संख्या

जीडीए अधिसूचित क्षेत्र में सबसे पहले केवल 88 गांव ही थे। साल 2002 में इनकी संख्या 97 हो गई। 2005 में 122 हो गई। 2010 में 137, 2018 में 146 और वर्तमान में कुल गांवों की संख्या 184 है। इन गांवों की जमीनों का भू–उपयोग कहीं आर जोन है तो कहीं कृषि है। मास्टर प्लान– 2031 में कई गांवों की जमीन का जीआइएस सर्वे किया गया है।

3,889 हेक्टेयर में फैला है जीडीए का दायरा

जीडीए के गठन से लेकर अब तक विभिन्न स्रोतों से 3,889 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया है। 3,719 हेक्टेयर पर कब्जा है। 3,633 हेक्टेयर जमीन नियोजित है।3,167 हेक्टेयर जमीन विकसित हो चुकी है। विक्रय योग्य 2,099 हेक्टेयर के सापेक्ष 1,950 हेक्टेयर जमीन विक्रय हो चुकी है। नियोजन के लिए 86 हेक्टेयर और विकास हेतु जीडीए के पास 542 हेक्टेयर जमीन शेष है।

इस साल खुले में कूड़ा फेंकने वालों पर एक भी कार्रवाई नहीं की जीडीए ने

साहिबाबाद : इंदिरापुरम में सेंट्रल वर्ज और सड़कें कूड़ेदान बनती जा रही हैं। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से गंदगी फैलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही हैं। वहीं, सड़क पर पड़ा कूड़ा नहीं उठने से लोग परेशान भी हैं। कनावनी पुलिया से यदु पेट्रोल पंप तक हिंडन नहर और ग्रीन बेल्ट के बीच की रोड कूड़ेदान में तब्दील हो गई है। कूड़े और गंदगी के कारण लोग इस सड़क पर नहीं जाते हैं। पिछले छह माह से सड़क का यही हाल है। इंदिरापुरम में डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली नेचर क्लीन इनवायरो संस्था कूड़े को शक्ति खंड चार स्थित डंपिंग ग्राउंड में डालता है। ऐसे में सड़क पर कूड़ा कौन डाल रहा है। इस पर जीडीए के अधिशाशी अभियंता एके चौधरी का कहना है कि इंदिरापुरम और वसुंधरा में बड़ी संख्या में निजी सफाईकर्मी भी काम करते हैं। ये सफाईकर्मी कहीं भी कूड़ा डाल देते हैं। यहां पर कूड़े में आग लगा दी जाती है। इससे धुआं उठता और प्रदूषण फैलता है। इतना ही नहीं इंदिरापुरम की सड़कों के सेंट्रल वर्ज कूड़ेदान बन गए हैं। दुकानदार से लेकर स्थानीय निवासी तक सेंट्रल वर्ज में कूड़ा डाल देते हैं। इससे सेंट्रल वर्ज की स्थिति बदहाल होती जा रही है। काला पत्थर रोड, बिहारी मार्केट, हिंडन नहर के किनारे ग्रीन बेल्ट वाली रोड समेत अन्य सड़कों के सेंट्रल वर्ज में जगह जगह कूड़ा डाला जा रहा है। वैसे तो कूड़ा जलाने या गंदगी फैलने पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है लेकिन इंदिरापुरम में जीडीए ने इस साल एक भी व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं की। कार्रवाई न होने ऐ लोग जगह जगह गंदगी फैला रहे हैं।

पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर डाक्टर से दो लाख रुपये ठग लिए

गाजियाबाद : ठगों ने पालिसी रिन्यू कराने के नाम पर चिकित्सक को दो लाख रुपये से अधिक का चूना लगा दिया। पीडिघ्त ने थाना कविनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजनगर निवासी फिजीशियन डॉक्टर सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि कोरोना के चलते वह अपनी मैक्स लाइफ इंश्योरेंस से ली पालिसी के प्रीमियम का दो बार भुगतान नहीं कर पाए। इस कारण पालिसी लैप्स होने का मैसेज आया था। तीन दिसंबर को उनके पास काल आई। कालर ने खुद को मैक्स लाइफ इंश्योरेंस से बताकर उनका पालिसी नंबर भी बताया। कहा कि यदि प्रीमियम का भुगतान कर देंगे तो पालिसी रिन्यू हो जाएगा। दो बार में चिकित्सक ने 2.07 लाख रुपये आरोपित के बताए खाते में जमा करा दिए।

पहली बार राशन बांटने का काम करेंगी स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं

गाजियाबाद : स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अब जिले में राशन बांटने का काम भी करेंगी। सौंदा ग्राम पंचायत में यह कार्य सावित्रीबाई फुले स्वयं सहायता समूह द्वारा जल्द ही शुरू किया जाएगा। सरकारी राशन की दुकान की चाभी समूह को सौंप दी गई है। जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को सिलाई– कढ़ाई करना, मोमबत्ती बनाना, अचार बनाना, गोबर से उत्पाद बनाने के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाता था, जिससे की वे आत्मनिर्भर हो सकें। हाल ही में उनको मशरूम की खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा है। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालयों की देखरेख की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। लेकिन पहली बार सरकारी राशन की

दुकान की चाभी भी स्वयं सहायता समूह को सौंपने का कार्य जिले में किया जा रहा है।

This Greater Noida village is taking to organic farming, one plot at a time

GREATER NOIDA: Around 15-20 km from Noida lies Bhanauta, a village with 20 acres of arable land, which is slowly taking up organic farming. Almost half of the plantation area now has natural manure and pesticides. With time, more villagers, or 'progressive farmers', are taking up organic farming. And some of the farms are even open to city residents who want to grow their own vegetables. The experiment started in Bhanauta — a 30-minute drive from Noida — a few years ago with Greater Noida-based green activist Vikrant Tongad converting his own piece of land into an organic farm. "I had started it as an experiment to see how natural manure, based on cow dung and pesticides made of herbs and neem, work. Slowly, people

started taking interest and I started getting residents to come to the farm. It has now become a community farming hub. At least nine families source vegetables from this one farm and the family members also come and work on the farm themselves," Tongad said. "There is a nominal fee that they pay for renting the farm and hiring gardeners to do the heavy-lifting. Now, after the success of my farm, many others have started converting their plots into organic ones. We hope that the entire village will take up this model of growing healthy food," he adds. On the farm spread over four acres, tomatoes, cauliflower, radish, potatoes and spinach are grown. At an adjacent plot, a "food forest" has been created with a mix fruits, flowers and vegetables. Most of Bhanauta has a lot of construction now with only serpentine lanes left between houses to navigate one's way. "Most of the houses are expanding because families are growing. There are around 100 families in Bhanauta now. The total land in the village was around 100 acres, but it has shrunk over the years. The total arable land available in the villages is about 20 acres. So, as part of a conservation initiative and to develop community farming, we are propagating this idea," Tongad said. He added that traditional farmers take time to get convinced about the newer ways of doing things. "But we, the new generation of farmers, have taken this up as a method of progressive farming and many are now taking to the new ideas," Tongad said. Another farmer in Bhanauta, Sukhbir Tongad, has converted half-an-acre of his plot into an organic farm. "I started with a small slice of my agricultural land. Slowly and surely, more people are taking up organic farming in Bhanauta and we plan to convert the entire village land into an organic farmland. People from the younger generation are open to new experiments and it is working well," Sukhbir said. Vikrant Tongad said people come to Bhanauta from as far as Vasant Kunj in Delhi to see the farms and work in them.

Hospitals list 21,000 workers for Covid vaccine

NOIDA: From creating lists of frontline workers to setting up of cold storage units, Noida is gearing up for Covid vaccination drives. As many as 21,543 healthcare workers, including doctors, in GB Nagar have been registered for the first phase of administering the vaccine when it arrives, officials said on Sunday. The workers are from 69 government hospitals and facilities, including primary health centres, community health centres, District Hospital, Noida Covid Hospital (NCH) and 410 private hospitals. "We have completed the registration of over 20,000 workers. We are noting down their details. Besides, we are prepared to store the vaccines at 14 cold chain points across all health centres, PHCs, CHCs, including one at

District Hospital in Sector 30," said Dr Deepak Ohri, CMO, GB Nagar. He added that there will be an online additional chief secretary-level meeting on Monday "where a review of the preparedness at the district-level will be undertaken and guidelines for the implementation of the vaccination, including the number of booths required, will be discussed". District immunisation officer, Dr Neeraj Tyagi, who is in charge of vaccine registration in GB Nagar, said Indian Medical Association (IMA) helped in the registration process.

Denied food, ex-MP's gunner fires at dhaba

GREATER NOIDA: The gunner of a former Firozabad MP of the Samajwadi Party allegedly opened fire at the manager and employees of a dhaba after they allegedly refused to give him and his three friends food after closure of the eatery late on Friday night. The four friends have been arrested, police said. Sonu Bhati, the gunner of former MP Akshay Yadav had reached the dhaba in the Kasna area around 12.30am, along with his three friends, and demanded that the eatery employees serve them food. However, the dhaba owner Amit refused to serve food to them, saying that it was closing time for them. "This led to an argument between Amit and Sonu and his friends, following which the gunner fired two gunshots at the eatery owner and his employees. Fortunately, no one sustained any injuries in the firing. At the time, around 15 people were present at the dhaba," Kasna SHO Vivek Trivedi told TBC. Amit and his employees ran in different corners to save themselves and informed the local police, after which a team of Kasna cops arrived and arrested the four accused. Apart from constable Sonu, who is attached to the Firozabad police lines, his friends — Satendra Bhati, Shivam Singh and Durgesh — have been arrested. While Sonu and Satendra belong to Greater Noida's Dankaur area, Shivam is from Meerut and Durgesh from Firozabad. Additional DCP (Greater Noida) Vishal Pandey said that the accused have been booked under IPC sections 307, 504 and 34 (common intention).

Dip in ICU cases, but many have rare comorbidities

NOIDA/GREATER NOIDA: The number of Covid patients admitted to ICU wards at various hospitals in Noida and Greater Noida has been on the decline, but there is a major issue that they still have to grapple with — comorbidities. While the government's Covid facilities have seen a drop to under 16 patients, the number is marginally higher at under 18 in most private hospitals. As per the data shared by the hospital authorities, most of the patients admitted in ICU wards are over 50 years of age and some of them are being treated for additional problems, including rare comorbidities. Some of the major issues that the Covid patients have complained of include alveolar microlithiasis (a disorder

in which tiny fragments of calcium phosphate accumulate in the small air sacs), patients with one kidney, Wegner's granulomatosis (inflammation of the blood vessels in nose, throat, lungs and kidneys), cellulitis (a serious bacterial skin infection leading to skin inflammation) and appendicitis. Currently, the Government Institute of Medical Sciences (GIMS) has 16 patients in its ICU ward, while the Sharda hospital in Greater Noida and Noida Covid Hospital in Sector 39 have 10 patients each. In private hospitals, too, the number of patients in ICU has gone down. There are eight patients in Fortis ICU, 18 in Prakash Covid hospital and 106 out of 172 (total admitted) in Yatharth Covid hospital in Noida extension. In most of these facilities, nearly five to 10 patients are admitted with uncommon comorbid conditions. "We have eight patients on dialysis, two patients with single kidneys, one patient whose kidney has been transplanted, two cancer patients and 27 patients with a cardiac history. We are also treating patients with ITP (Idiopathic Thrombocytic Purpura). It's a kind of blood disorder characterised by an abnormal decrease in the number of platelets in the blood and Wegner's granulomatosis, which is inflammation of the blood vessels in the nose, throat, lungs and kidneys). Also, a 16-year-old Covid patient underwent surgery for perforated appendicitis," said Dr Sunil Kumar, medical superintendent at Yatharth hospital. Fortis hospital has treated a patient for alveolar microlithiasis. At Sharda hospital, of the 10 Covid patients admitted in the ICU, five are getting treated for kidney-related ailments, one of them is an asthma patient who has had hip-replacement surgery, one of them is getting treated for Cellulitis, and another one was given treatment for Thrombocytopenia. "Along with Covid treatment, all these patients will be treated till their uncommon conditions are resolved.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोश अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.:
0120-4561000

Religious tourism has big potential to create jobs: Yogi

GHAZIABAD: Chief minister Yogi Adityanath inaugurated the Kailash Mansarovar Bhavan in Indirapuram on Saturday evening and laid the foundation for 29 other projects that would be built for Rs 750 crore across the city. The chief minister said the bhavan would serve as a transit spot for religious tourism in the country and also create employment opportunities for the youth. "Religious tourism has immense potential to open up avenues for employment. Kailash Mansarovar Bhavan should be developed into such a spot. Apart from catering to the religious beliefs of the people, it should also serve as avenue for employment," he added. He made an oblique reference to the farmers' agitation on Delhi's borders, but without naming the protesters. "There is an attempt to create a law and order problem across the country. Despite this, there is a bigger force at play that is committed to maintaining the country's unity and its core beliefs," Yogi said. The chief minister heaped praise on the Ghaziabad administration for its efforts to tackle the Covid situation.

Doctors in NCR, many cities oppose surgeries by Ayush practitioners

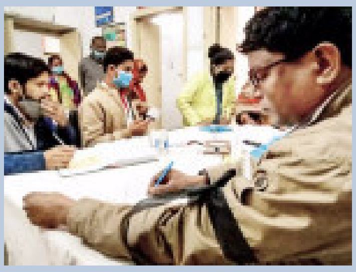

GURUGRAM/NOIDA: OPD services at many private and state-run facilities were hit across the National Capital Region (NCR) and several cities across the country as doctors lent support to the Indian Medical Association's nationwide strike against the Centre's move to allow post-graduate ayurveda practitioners to be trained to perform surgical procedures. The IMA said nearly 3.5 lakh doctors across the country withdrew OPD as well as non-emergency and non-Covid services during the 12-hour strike from 6am to 6pm. In Gurgaon, nearly 1,000 doctors associated with the IMA carried out a protest in 25 hospitals, including Medanta, Artemis, Columbia Asia and Paras. Only emergency services and intensive care units remained operational. Many doctors sported black ribbons while performing their duties. Some doctors TBC spoke to said the Centre's move would be detrimental to the health of the public at large and to the ancient science of ayurveda as well. "The decision is absurd. It will wreak havoc and encourage an unscientific mix of different medical specialities. It would be wise to encourage ayurveda and other traditional forms of medicine to conduct research in their own fields," said Dr MP Jain, president, IMA Gurugram. Association secretary Rajesh Kataria said the IMA would be forced to intensify the protests "to preserve the health of future generations" if the government's notification is not withdrawn. In Noida, patient footfall at several major private hospitals, such as Apollo, Metro, Prakash and Fortis, was low as most of the 500-odd private OPDs and clinics participated in the strike. "No appointments were taken and only emergency or direct walk-in cases were addressed," said Ayush Chauhan of Prakash Hospital, which handles 150-200 patients daily at its OPD. The Metro Hospital OPD also saw its footfall reduced to a third, to less than 100, informed Dr Kanika Kanwar, its medical director.

16-year-old raped on way back home from wedding

GNOIDA: A Class XI student returning from a wedding was allegedly raped by a youth in a Jewar village on Friday. The accused has been arrested, police said. Additional DCP (Greater Noida) Vishal Pandey said that the youth aged about 18 years "is known to the girl since he stays in her neighbourhood". "He was arrested after the girl's family alleged that she was raped by the youth while returning from the function," another police official said. In yet another case, a woman was allegedly blackmailed by a YouTuber who allegedly raped her after spiking her drinks and videographed the act. The woman told cops that she allegedly gave the accused Rs 13 lakh after he had threatened to circulate the video on social media.

Noida: Upset with move to open road, 400 leave BKU

NOIDA: Around 400 supporters of Bharatiya Kisan Union (BKU)-Bhanu left the outfit on Monday after its president reopened the Noida-Delhi carriageway of the link road on Saturday. More than 35 of those who have left were office bearers. Stating that the decision to reopen the lane was taken without consulting core committee members, the farmers said they were hurt and the move has weakened the protest. On Sunday, TBC had reported that after a meeting with a five-member delegation of BKU-Bhanu, Union defence minister Rajnath Singh and agriculture minister Narendra Singh Tomar, the outfit had decided to reopen the Noida-Delhi stretch of the link road shifting the protest to a smaller portion of the road. "We are hurt. The president has weakened the struggle for the farmers and this is backstabbing the farmers. Being helpless, we have decided to resign from the BKU-Bhanu," said a statement from those who resigned on Monday. BC Pradhan, former district spokesperson, BKU-Bhanu, who resigned from the outfit, said: "This issue was linked to the entire farmer community. Whatever decision they took, it should have been taken after speaking to everyone. The decision was taken in a hurry and later, the president claimed it was about his reputation." Other than Pradhan, the outfit's national secretary Begraj Gurjar, district coordinator Ramkesh Gurjar, state president legal Latsahab Lohia, youth wing vice-president Vikas Gurjar, Noida city president Arun Sharma, district general secretary Subhash Bhati, Noida coordinator Prem Singh Bhati, district vice president Sundar Baba, youth wing Noida president Koshender Yadav, Noida district secretary Rajbir Mukhiya, Noida district president Mangeram Sharma, district (transport cell) Noida vice-president Santram Awana, Bisrakh block head Gajraj Numberdar, Noida secretary Raeesuddin, district secretary Yuva morcha Kapil Bhati and Gijhore village head Anil Kumar have also resigned.

Swachh rankings: How Noida plans to reach out to you

NOIDA: To improve its ranking in Swachh Survekshan (cleanliness survey), the Noida Authority in the past fortnight has intensified its citizen outreach programme and launched various exercises to connect with residents. Besides, the authority is now banking on eight initiatives regarding cleanliness that it has taken in the city. Based on its 3R principle reduce, reuse, recycle the initiatives have been rolled out in phases over the past three years. For the citizen engagement, the first drive that launched on December 1 for communities, residents welfare associations, apartment owners associations, schools, colleges, industries, institutions as well as individuals.

CBRE to be consultant, draw up blueprint for ambitious Film City

GNOIDA: CBRE, the global commercial real estate services company, was on Monday appointed consultant for the UP government's ambitious Film City planned in Greater Noida, the second largest infrastructure project in the region after the international airport in Jewar. CBRE, said officials, has been given the task of preparing the detailed project report and drawing up a plan to make the Infotainment-cum-Film City – planned over 1,000 acres, just 6km from the site of the upcoming airport – financially viable and successful. CBRE was chosen from among four companies that were shortlisted to prepare a blueprint for the Film City after technical and price bid evaluations. "The consultant has been given a 60-day window to compile the detailed feasibility study. It should get ready before February 13," said Arun Vir Singh, CEO of the YEIDA, the government agency that is in charge of the project. In its presentation to YEIDA last Friday, officials shared, CBRE shared four case studies. While two of them were of large theme parks being planned in Bengaluru and Hyderabad, the other two focused on a film studio in Dublin and a sound stage in California.

Writings on wall to laser show: At this park, a trip back to Vedic period

Noida: The Noida Authority will develop a 12-acre park in Sector 78 that will have the four Vedas as its theme. Officials said the park, being billed as the first such in the country, will have 50,000 types of plants and shrubs that find mention in the holy scriptures. These apart, the park will also have 1,250 trees such as banyan, kalpavriskh, neem, coconut etc. It will also have a wall with highlights from the four Vedas — Rigveda, Yajurveda, Samaveda and Atharvaveda — and include sculptures of ancient Indian sages. The entire area would be divided into seven zones, each bearing the name of a saint — Kashyap, Bhardwaj, Gautam, Atri, Vashisht, Vishwamitra and Agastya. The Authority will also make arrangements for laser shows, apart from an open gym, restaurants and an amphitheatre. The project, tenders for which have already been floated, is estimated to cost Rs 30 crore and work is expected to begin in January next year. Officials said the park was likely to be called Veda Van. There are also plans to light up the park with solar energy. "This will be the country's first park based on the theme of Vedas. Apart from information on the holy scriptures, it will also contain details about ancient Indian sages. Entry to the park will be free," said Indu Prakash, officer on special duty at the Noida Authority. Prakash said that of the Rs 30 crore set aside for the project, Rs 6.5 crore would be spent by the horticulture department for planting saplings while the remaining amount would be used on civil and electrical work. "The park will depict information on the four Vedas on its walls, while the plants, shrubs and other green elements will be those that have found mention in the scriptures. These include about 50,000 varieties of plants and shrubs and about 1,250 organic trees," said Prakash. The official said the park would mostly cater to group housing societies in the neighbouring sectors 74-79. "There are plans for laser shows, open gym, restaurants, amphitheatre, etc. The park will have seven parts named after our sages – Kashyap, Bhardwaj, Gautam, Atri, Vashisht, Vishwamitra and Agastya," said Prakash. Work on the project is expected to begin sometime in January next year.

ऋषभ क्लाउड–9 सोसायटी में संदिग्ध हालात में 10वीं मंजिल से गिरी महिला, मौत

गाजियाबाद : इंदिरापुरम के अहिंसा खंड–दो स्थित ऋषभ क्लाउड–9 सोसायटी में मंगलवार शाम करीब सात बजे एक महिला की संदिग्ध हालात में 10वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या मान रही है। ऋषभ क्लाउड–9 सोसायटी के एस ब्लाक के पास मंगलवार शाम करीब सात बजे किसी भारी वस्तु के गिरने की आवाज आई। स्थानीय निवासी व सुरक्षाकर्मी आवाज की दिशा में पहुंचे, तो एक महिला जमीन पर खून से लथपथ पड़ी थी । लोगों ने इसकी पुलिस को सूचना दी। महिला की पहचान सोसायटी में रहने वाले साफ्टवेयर इंजीनियर अमिया मेहतों की 30 वर्षीय पत्नी ममाली पटनायक के रूप में हुई। सूचना पर अमिया भी मौके पर पहुंचे। पत्नी को खून से लथपथ देखकर उनकी तबीयत भी खराब हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को लेकर पास के निजी अस्पताल में पहुंची, जहां डाक्टरों ने

ममाली को मृत घोषित कर दिया। अमिया को प्राथमिक उपचार दिया। अमिया मेहतों मूल रूप से भुनेश्वर ओडिशा के रहने वाले हैं। वह पत्नी ममाली व तीन साल के बेटे उत्कर्ष के साथ पहले सोसायटी में 10वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में किराए पर रहते थे। इनदिनों द्वितीय मंजिल पर स्थित फ्लैट में किराए पर रहते हैं। पुलिस की अब तक की जांच में आया है कि ममाली 10वीं मंजिल पर सीढियों के पास स्थित खिड़की से नीचे कूदी है। हालांकि यह प्रारंभिक जांच है। पुलिस गहनता से मामले की जांच कर रही है। उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस की जांच में आया है कि ममाली गृहणी थी। अमिया, ममाली और उत्कर्ष घटना से थोड़ी देर पहले ही सोसायटी में टहलकर वापस लौटे थे।

नगर निगम ने 40 करोड़ की जमीन कराई कब्जामुक्त

गाजियाबाद : नगर निगम के प्रवर्तन द्वारा सरकारी संपत्ति को कब्जामुक्त कराने के लिए अभियान जारी है। बुधवार को सिटी जोन स्थित ग्राम मेवला आगरी में 1,800 वर्गमीटर जमीन कब्जामुक्त कराई। जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये है। इसके अलावा भी शहर में सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए सर्वे किया जा रहा है। प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल दीपक शरण ने बताया कि जमीन के एक हिस्से पर एक व्यक्ति सूरजभान यादव द्वारा मकान भी बनवा लिया गया था। जिसको बुलडोजर से गिरा दिया गया है। आरोपित से क्षतिपूर्ति की वसूली भी की जाएगी। विजयनगर जोन के अंतर्गत जोनल प्रभारी बनारसी दास ने वार्ड–48 में डबल टंकी रोड से लीलावती चौक तक सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। पांडव नगर निवासी रनपाल ने बताया कि नगर निगम ने पांडव नगर में भी सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुधवार को अभियान चलाए जाने का अनाउंस किया था, लेकिन बुधवार को अभियान नहीं चलाया गया है।

ग्रीन बेल्ट पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर कब्जा

वसुंधरा : वसुंधरा सेक्टर चार में ग्रीन बेल्ट पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर उसे उजाडने के मामले में नगर निगम ने कंपनी पर कार्रवाई की है। नगर निगम ने एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि विज्ञापन लगाने के दौरान कंपनी की ओर से हरियाली को नुकसान पहुंचाया गया है। वसुंधरा सेक्टर–4 में कुछ कंपनियों ने अवैध रूप से विज्ञापन बोर्ड लगा दिए हैं। पिछले दिनों कुछ लोगों ने शिकायत की थी कि विज्ञापन लगाने के दौरान ग्रीन बेल्ट को उजाड़ दिया गया है। बुधवार को शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने स्थानीय अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। अपर नगर आयुक्त आरएन पांडेय और जोनल प्रभारी सुनील राय ने टीम के साथ ग्रीन बेल्ट से अवैध विज्ञापन हटवाए। वसुंधरा सेक्टर चार और पांच के बीच की ग्रीन बेल्ट में गड्ढे खोदकर हरियाली को नुकसान किया गया है। गड्ढों में कई जगह पर विज्ञापन लगाया गया है। विज्ञापन लगाने वाली कंपनी पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अन्य लोगों को भी चेतावनी दी गई है कि अगर विज्ञापन नहीं हटाया गया तो सभी से जुर्माना वसूला जाएगा।

लखनऊ में आयोजित स्मार्ट सिटी 2020 समिट में महापौर और नगर आयुक्त ने की भागीदारी

गाजियाबाद : लखनऊ में बुधवार को आयोजित स्मार्ट सिटी 2020 समिट कार्यक्रम में महापौर आशा शर्मा एवं नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने भागीदारी की। जिसमें उन्होंने शहर को स्मार्ट बनाने में आने वाली चुनौतियों और उनका सामना करने के तरीकों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जागरूक लोगों की मदद से शहर स्मार्ट बनता है। स्मार्ट सिटी के कार्यक्रम में महापौर ने स्मार्ट सिटी पैनल एवं नगर आयुक्त ने आईटी पैनल में भागीदारी ली। महापौर ने बताया कि स्मार्ट सिटी बनाने के लिए पृथ्वी को साफ रखना, सुंदर रखना, जल बचाना, स्वच्छ जल पीना, जल का रिसाइकिल करना, वाटर स्टोरेज करना, तालाब को बचाना और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बहुत ही जरूरी है।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.